DAINIK TRIBUNE - Monday, December 27, 2010

उत्तर भारत का सम्पूर्ण समाचारपत्र

ऑनलाइन संस्करण
www.dainiktribuneonline.com

दैनिक ट्रिब्यून

वर्ष : 33, अंक : 133 चंडीगढ़/नयी दिल्ली/जालंधर/बठिंडा सोमवार, 27 दिसंबर, 2010/ 12 पौष, संवत् 2067 ई मेल : dt@trib

'मीरा हो गयी मगन...' पर झूमे श्रोता

अनूप जलोटा के भजनों से बही भक्तिरस की धारा

चंडीगढ़, 26 दिसंबर (निस)। तथास्तु की डिवाइन जरनी कार्यक्रम में भजन सम्राट अनूप जलोटा ने सायं टैगोर थियेटर में भक्तिरस से सराबोर कर दिया। उन्होंने एक के बाद एक भजन पेश कर वहां मौजूद श्रोताओं को भक्ति रस में इस कदर डुबो दिया कि राम और शाम के नाम की प्यास बढ़ती ही चली गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा से आये मंत्री अजय सिंह यादव व पंजाब के आये मंत्री मास्टर मोहनलाल के साथ अनूप जलोटा व चामुंडा स्वामी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इसके बाद इस ग्रुप के उन विकलांग बच्चों ने व्हील चेयर पर बैठे-बैठे वे योग आसन कर दिखाये जो सामान्य इंसान भी नहीं कर सकता। इसके बाद अन्नु कपूर ने मंच को संभालते हुए वहां मौजूद दर्शकों को कहा कि यह प्यासों की प्रेमसभा है यहां संभल कर आना, यहां जो भी आये हो जाये दीवाना कह कर संभाला। उन्होंने कहा कि तथास्तु समूह में संगीत, ध्यान और अध्यात्म का मेल है। इसके बाद उन्होंने अनूप जलोटा के गाये भजनों की गहराइयों के बारे में बताया।

इसके बाद अनूप जलोटा ने अपने भजनों का सिलसिला ऐसी लागी लगन, मीरा हो गयी मगन भजन से किया। इसके बाद राम नाम अति मीठा है कोई गा के देख ले, आ जाते हैं कोई बुलाकर देख ले गाया। वहां मौजूद श्रोताओं ने भी जलोटा के साथ भजन गाये।

इस बीच चामुंडा स्वामी ने लोगों को मन को बस में करने की बात बताई। भारत अध्यात्म का सरताज है। शरीर में जो पांच लुटेरे डेरा जमाये बैठे हैं, उन्हें स्वयं पर हावी होने देने की बजाय उन्हें अपना दास बनाकर शक्ति के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। गृहस्थ जीवन को छोड़ भगवान को प्राप्त नहीं किया जा सकता है मन को साफ कर ही भगवान को प्राप्त किया जा सकता है।

चंडीगढ़ के सेक्टर-18 में टैगोर थियेटर में रविवार को भजन गायक अनूप जलोटा कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए। - विक्की घारू